IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Engineering, Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C1122974

दूरदर्शन समाचारों के मानक स्वरूप का अध्ययन

THOMAS DAINTY VARGHESE

Research Scholar, Department of Hindi,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

दूरदर्शन की मानक हिन्दी में 'मानक' शब्द का प्रयोग बहुत प्राचीन नहीं है। आचार्य रामचन्द्र वर्मा ने यद्यपि अपने कोश का नाम 'प्रामाणिक हिन्दी कोश' (सन् 1949) रखा। पर उसमें मानक की व्याख्या इस प्रकार दी– ''वह निश्चित या स्थिर किया हुआ सर्वमान्य 'मान' या 'माप' जिसके अनुसार किसी की योग्यता, श्रेष्ठता, गुण आदि का अनुमान या कल्पना की जाए।'' मानक भाषा का सामान्य अर्थ है– ''आदर्श भाषा, शुद्ध भाषा, टकसाली भाषा और परिनिष्ठत भाषा। मानक भाषा अंग्रेजी में स्टेन्डर्ड लैंग्वेज शब्द के हिन्दी पर्याय के रूप में प्रचलित है। स्टेन्डर्ड शब्द के लिए हिन्दी में 'प्रमाण' शब्द को गढ़ने का प्रयास किया गया था किन्तु यह प्रचलित नहीं हो सकता।'' भाषा के संदर्भ में 'मानक भाषा' से तात्पर्य है कि– ''ऐसी भाषा जिसका योग करने पर दूसरा व्यक्ति समझ सके। यह प्रयोग मौखिक या लेखित स्वरूप में हो सकता है। उसके समक्ष उद्देश्य यही है कि उसकी भाषा दूसरा समझे या समझ सके।'' मानक भाषा के संदर्भ में कुछ विद्वानों के विचार इस प्रकार हैं। ''मानक भाषा, भाषा का वह सुविख्यात रूप है जो बृहद भाषा समुदाय द्वारा स्वीकृत हो तथा इसके लिए प्रतिमान का कार्य करें।''